



भारत का गज़ीपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 243] नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 10, 1990/आश्विन 18, 1912
No 243] NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 10, 1990/ASVINA 18, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Filing is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

लोक सभा

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1990

सं. 46/1/सी एक/90—दिनांक 5 अक्टूबर, 1990 के लोक सभा समाचार भाग
2 में प्रकाशित निम्नलिखित पैरा को एतद्वारा सामान्य जानकारी हेतु प्रकाशित किया
जाता है :—

संख्या 817

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमों के अन्तर्गत अध्यक्ष द्वारा दिये गये
निदेशों में संशोधन

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमों (सातवां संस्करण) के नियम 389 के अनुसरण में, अध्यक्ष ने निदेशों में निम्ननिखिल संशोधन किये हैं:—

निदेश 10क

निदेश 10क में,

(क) निम्ननिखिल खंडों का लोप किया जायेगा, अर्थात् :—

“(एक) यदि अध्यक्ष इस बात से संतुष्ट हो कि उसका कोई तथ्यास्मक आधार नहीं है;

(दो) यदि वह किसी नेतृ, भागण अथवा नायनगति व्याप्ति में व्यक्त किसी व्यक्ति की राग पर आताधित हो,

(चार) यदि किसी ऐसे मामले पर जोर दिया जा रहा हो, जिसके बारे में पहले ही मद्देन्य और मत्री अथवा, फ़लालद के द्वारा पक्ष-व्यवहार चल रहा हो,

(पांच) यदि उसमें किसी व्यक्ति या किसी व्यक्तिगत स्थिया या कंपनी के बारे में जानकारी मार्गी गई हो ;

(छ) यदि उसमें सेवा संबंधी ऐसी शिकायतों को दूर करने की आत हो, जिसके लिए संस्थागत साधन पहले ही विद्यमान हैं ;

(दस) यदि उसमें किसी ऐसे मामले पर जानकारी मार्गी गई हो, जो जांचकर्ता एजेंसी के गमन लाभित हो और उनके व्रक्तव्य में जारी कार्य पर प्रभाव पड़ सकता हो, ”

(छ) उपर्युक्त खंडों का लोप करने के पश्चात् ऐसे खंडों को छोड़ (एक) से (छ:) के रूप में पुनर्संख्यांकित किया जायेगा।

(ग) पुनर्संख्यांकित खंड (चार) “यदि वह प्राप्त कुई किसी व्याचिकाओं आर ज्ञापनों अथवा मंत्रियों द्वारा दिये गये सार्वजनिक भाषणों से संबंधित हो” के स्थापन पर निम्ननिखिल खंड प्रतिस्थापित किया जायेगा :—

“(चार) यदि यह मंत्रियों द्वारा प्राप्त एसी व्याचिकाओं आर ज्ञापनों से संबंधित हैं जो लोक महत्व के नहीं हैं ;

LOK SABHA

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th October, 1990

No. 46/I/CI/90.—The following paragraph published in the Lok Sabha Bulletin Part II, dated the 5th October, 1990 is hereby published for general information :—

No. 817

Amendments to Direction by the Speaker under the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha

In pursuance of Rule 389 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha (Seventh Edition), the Speaker has made the following amendments to Directions :—

DIRECTION 10A

In Direction 10A.—

- (a) The following clauses shall be *omitted*, namely :—
 - “(i) if the Speaker is satisfied that it has no factual basis;
 - (ii) it is based on opinion of an individual expressed in an article, write up, lecture or public speech;
 - (iv) if it seeks to pursue a matter already under correspondence between the member and the Minister or the Ministry;
 - (v) it seeks information on a matter relating to an individual or an individual concern or company;
 - (vi) it seeks redressal of service grievances for which already institutional means exist;
 - (x) it seeks information on a matter pending before an investigative agency and its disclosure is likely to prejudice the course of investigation,”
- (b) After omission of the above clauses, the remaining clauses shall be renumbered as clauses (i) to (vi) thereof.

(c) For renumbered clause (iv) "it relates to petitions and memoranda received or public speeches made by Ministers;," the following clause shall be *substituted*. —

"(iv) it relates to petitions and memoranda received by Ministers which are not of public importance:

K.C. RASTOGI, Secy. General